रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2021–23

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 43 ● अंक – 18 ● कानपुर 16 से 30 सितम्बर 2021 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी की पुण्य तिथि मनायी गयी

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी की पुण्य तिथि बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रशासनिक कार्यालय कानपुर स्थित जूही बारादेवी में मनायी गयी, सर्वप्रथम बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी में चिकित्सा करना आज की आवश्यकता है क्योंकि इसकी औषधियां हर तरह से हानिरहित तथा सुलभ व अन्य की अपेक्षा सस्ती हैं इनका लाभ आम जन को मिलना ही चाहिये, आमजन को लाभ मिलने से चिकित्सा पद्धति की उपयोगिता तो सामने आयेगी ही साथ ही साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथी को जनमान्यता भी प्राप्त होगी तथा भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा गठित अन्तर विभागीय समिति द्वारा वांछित आंकड़ों की प्राप्ति भी होगी जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता में सहायक सिद्ध होगें।

डा0 इदरीसी ने कहा कि प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में बड़ी संख्या में छोटे–छोटे चिकित्सालय स्थापित किये जाने चाहिये जो स्थानीय जनता को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के साथ ही साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथी की जागरूकता में भी सहायक होंगे, उन्होंने इस अवसर पर यह भी संतोष व्यक्त किया कि देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति द्वारा दर्द निवारण केन्द्रों के स्थापना कर दर्द का शमन किया जा रहा है, ऐसा ही एक केन्द्र बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा अधिकृत अध्ययन केन्द्र डी0एल0एम0एम0 स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी,महाराजगंज द्वारा स्थापित किया गया है जो प्रदेश के साथ–साथ पड़ोसी देश नेपाल के रोगियों को स्वास्थ्य लाभ पहुँचा रहा है।

बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने डा0 मैटी जी को श्रद्धांजलि देते हुए उपस्थित चिकित्सकों का आवाहन किया कि वह डा0 मैटी के बताये हुए रास्ते पर चलते हुए जनमानस की सेवा करें, इस अवसर पर डा0 अहमद ने डा0 मैटी जी का विस्तृत परिचय दिया, डा0 राम औतार कुशवाहा ने डा0 मैटी के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के बाद अपने छात्र जीवन पर प्रकाश डाला कि वह किस प्रकार इस चिकित्सा पद्धति में आये और उन्होंने किस प्रकार से दिल्ली तक पद यात्रा की, इस अवसर पर डा0 प्रमोद सिंह, डा0 राम कुमार, श्री मो0 नसीम इदरीसी, डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।

हमीरपुर– इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी की पुण्य तिथि पर बुंदेलखण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेंटर पठकाना, हमीरपुर में मनायी गयी, डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन आफ इण्डिया के बुन्देलखण्ड प्रभारी डा0 नरेन्द्र भूषण निगम ने सभी चिकित्सकों व शिक्षकों का आवाहन करते हुए कहा कि समाज में बढ़ रहे रोगों से लोगों को निजात दिलानी है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की सभी औषधियां हर तरह से हानि रहित हैं, इससे रोगों का निदान पूर्ण रूप से होता है अतः अपनी चिकित्सा पद्धति से सभी को स्वस्थ्य रखना है, जिला प्रभारी अधिकारी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक डा0 गणेश सिंह ने इस पैथी के आविष्कारक डा0 मैटी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि जिले के सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सक जो बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा अधिकृत एवं पंजीकृत हैं वे अपना जिले का रजिस्ट्रेशन कराकर ही चिकित्सा कार्य करें, ऑन लाइन जिला पंजीयन बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा ही होगा, डा0 मानसी ने डा0 मैटी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि कैन्सर जैसे असाध्य रोगों की चिकित्सा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक में सम्भव है, हम लगातार प्रयास करते हैं कि कैंसर जैसी गम्भीर बीमारी से लोगों को बचाते रहें, डा0 मधुर निगम ने कहा कि अब जिले में इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के निःशुल्क कैम्प लगा कर लोगों को संक्रामक बीमारियों से बचाव हेतु जागरूकता की जायेगी, कार्यक्रम में डा0 कंचन गुप्ता,डा0सुनीता सागर, डा0 प्रियंका,डा0 अरूण त्रिपाठी, डा0 संतोष आर्या, डा0 नम्रता, डा0 रजनीश खरे आदि उपस्थित थे, कार्यक्रम का संचालन डा0 अरशद अंसारी द्वारा किया गया।

125वें निर्वाण दिवस के अवसर पर बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी महात्मा मैटी को माल्यार्पण करते हुये छाया – गजट

लखीमपुर:– मॉ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखीमपुर में डा0 मैटी की श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रूबी नाज, अंशिका गुप्ता, शिवांगी शुक्ला, अहमद हसन, उत्कर्ष शर्मा, चन्दा देवी, राधिका मिश्र, सौम्या शर्मा तथा शौर्या सिंह आदि थे।

फिरोजाबाद:– फिरोजाबाद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में भी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पद्धति के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीजर मैटी की पुण्य तिथि मनाये जाने के समाचार प्राप्त हुये हैं सेन्टर के संचालक डा0 शिवकुमार पाल ने सर्वप्रथम डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया, इस अवसर पर डा0 हरीओम शर्मा, डा0 डी0 सी0 कुशवाहा, डा0 मो0 सलीम एवं डा0 राजपूत आदि उपस्थिति थे।

लखनऊ:– अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखनऊ में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी जिसकी अध्यक्षता मुख्य पुजारी साई मन्दिर के श्री श्रीकृष्ण शर्मा जी ने की प्रमुख रूप से डा0 आशुतोष कपूर एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा चिकित्सक आदि उपस्थित थे।

EH. DR. लिखें चिकित्सक

देश के इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक अधिकारिक रूप से अपने नाम के पूर्व **EH. DR.** लिखें क्योंकि भारत सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में अनेकों आदेश जारी किये जा चुके हैं कि मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक के अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति अपने नाम के साथ डॉक्टर शब्द का प्रयोग नहीं करेगा, सरकार का यह कथन सही नहीं है क्योंकि वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियां यथा आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, नेचरोपैथी, योगा, सिद्धा एवं सोवा रिग्पा के चिकित्सकों को क्रमशः वैद्य, हकीम, होम्योपैथ,प्राकृतिक चिकित्सक, योगा थेरापिस्ट, तिब्बती पद्धति के चिकित्सक के रूप में अधिकार/पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।

गैर मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों को मान्यता प्रदान करने के लिए भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान पटल द्वारा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ स्थायी समिति का गठन किया गया जिसने मान्यता प्रदान करने के लिए आवश्यक एवं वांछित मापदण्ड निर्धारित किये, जिसके अनुसार उसने पाया कि पहले से मान्यता प्राप्त वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के अतिरिक्त कोई भी गैर मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धति आवश्यक एवं वांछित मापदण्ड पूर्ण नहीं करती है अतः इन्हें मान्यता प्रदान करने के लिए संस्तुति नहीं की जाती है समिति ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी सहित गैर मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों को कार्य करने से रोकने के लिए भी कोई संस्तुति नहीं की, समिति ने सिर्फ इतना कहा कि गैर मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों को बैचलर व मास्टर डिग्री जारी करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिये तथा डॉक्टर शब्द का प्रयोग केवल मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धति के चिकित्सकों द्वारा ही किया जाना चाहिये।

ज्ञातव्य हो कि डॉक्टर शब्द का प्रयोग चिकित्सा व्यवसाय में केवल एलोपैथी के लिए ही अनुमन्य है क्योंकि एलोपैथी के स्नातकों को इण्डियन मेडिकल डिग्रीज एक्ट के अधीन डिग्री दी जाती है जबकि आयुर्वेदिक, यूनानी, सिद्धा एवं सोवा रिग्पा के चिकित्सकों को दी जाने वाली डिग्री केन्द्रीय भारतीय चिकित्सा परिषद के अधीन अनुमोदित / विनियमित होती है इसी प्रकार होम्योपैथी की डिग्री केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद अधिनियम के अन्तर्गत अनुमोदित/विनियमित होती है इन सभी चिकित्सकों को उपाधियां विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जाती हैं।

चिकित्सा क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य व्यक्ति भी अपने नाम के पूर्व डाक्टर शब्द का प्रयोग करते हैं जो शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में डॉक्ट्रेट की उपाधि प्राप्त करते हैं अथवा जिन्हें विशेष कार्यों के लिए डॉक्ट्रेट की उपाधि प्रदान की जाती है, अधिकारिक रूप से अपने कार्य के अनुरूप डॉक्टर लिखने के अधिकारी होते हैं।

चिकित्सा प्रदान करने वाले लगभग सभी व्यक्तियों को डॉक्टर शब्द से ही सम्बोधित किया जाता है चाहे वह किसी भी पद्धति से चिकित्सा करता हो किन्तु चिकित्सा करने वाले चिकित्सकों (एलोपैथी को छोड़कर) को चाहिये कि वह अपने चिकित्सालय में अपनी पद्धति का स्पष्ट प्रदर्शन करें जिसमें वह चिकित्सा व्यवसाय करने के लिए अधिकृत हैं ऐसा न करने से इलेक्ट्रो होम्योपैथ, आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, नेचरोपैथी, योगा, सिद्धा एवं सोवा रिग्पा के चिकित्सक आये दिन कानूनी कार्यवाही से ग्रस्त होते रहते हैं ऐसे चिकित्सकों को अपने आप को स्पष्ट तौर से अपनी पद्धति का प्रदर्शन करना चाहिये इससे कानूनी समस्या से तो बचेंगे ही बल्कि अपनी चिकित्सा पद्धति को भी बढ़ावा देते हुए दिखेगें।

भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान पटल द्वारा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञों की स्थायी समिति की संस्तुति को यथावत स्वीकार करते हुए आदेश जारी किया जिसके अनुसार उन्होंने सभी राज्य सरकारों को यह निर्देशित किया कि विशेषज्ञों की स्थायी समिति की संस्तुतियों का व्यापक स्तर पर प्रचार किया जाये तथा राज्य सरकार एवं संघ राज्य क्षेत्र में कोई भी संस्था जो गैर मान्यता प्राप्त पद्धति में शिक्षा प्रदान कर रही है वह उनके अधिकार क्षेत्र में डिग्री/डिपलोमा प्रदान न करें और यह भी सुनिश्चित करें कि भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों के अतिरिक्त कोई भी चिकित्सक डॉक्टर शब्द का प्रयोग न करें, सरकार द्वारा इस आदेश में यह कही भी उल्लेख नहीं किया गया है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक प्रैक्टिस नही करेंगे, सरकार के इस आदेश की भावना से स्पष्ट होता है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक स्थापित नियमों का उल्लंघन किये बिना पूर्ण अधिकार के साथ प्रैक्टिस करेंगे समस्त पंजीकृत व अधिकृत चिकित्सकों को चाहिये कि वे अपने नाम के साथ ऐसे शब्दों का प्रयोग करें जिससे उनकी पहचान स्पष्ट दिखायी दे तथा उनके कार्य के विरुद्ध किसी भी प्रकार की आपत्ति न हो।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक बिजलियां नामक पुस्तक का विमोचन

डा0 अशोक कुमार मौर्या द्वारा लिखित इलेक्ट्रो होम्योपैथिक फार्मेसी व फिलासफी का पहला भाग इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वास्तविक बिजलियां नाम पुस्तक दिनांक 2 सितम्बर, 2021 को लखनऊ के दुबग्गा में मुख्य अतिथि माननीय डा0 सुरेश सिंह द्वारा विमोचित की गयी।

इस पुस्तक मे इलेक्ट्रिसिटी के उन रहस्यों को खोला गया है जो अभी तक रहस्य बने हुए थे जैसे बिजलियों में रंगों का आधार क्या है ? किस आधार पर इन्हें लाल हरी नीली और पीली बिजली कहा जाता है, क्या इन बिजलियों के डायल्यूशन बनाये जा सकते हैं ? अनेक ऐसे रहस्य हैं जिन्हें इस पुस्तक मे सुलझाया गया है इस पुस्तक की भाषा सरल और सारगर्भित है।

इस अवसर पर डॉक्टर परमहंस, डा0 हरीश, डा0 ैलेन्द्र सिंह, डा0 सचिन्द्र, डा0 सुरभी, श्री शंकर लाल सेवानिवृत उ0प्र0 हिन्दी संस्थान लखनऊ, डा0 योगेन्द्र कुमार कुशवाहा तथा अन्य प्रतिष्ठित चिकित्सकगण मौजूद थे।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये

इहमाई के संयुक्त सचिव डा0 एम0 के0 मिश्रा मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये –छाया गजट

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 लखनऊ के कार्यालय प्रभारी श्री मोहम्मद नसीम ने बोर्ड के प्रशासनिक कार्यालय कानपुर में महात्मा काउन्ट सीजर मैटी को माल्यार्पण करते हुये –छाया गजट

मैटी निर्वाण दिवस विभिन्न संस्थाओं/संस्थानों में आयोजित हुआ

आइये ले चलते हैं ऐसे स्थान पर जहाँ तस्वीरें बोलती हैं

कानपुर में मैटी निर्वाण दिवस पर डा0 राम औतार कुशवाहा

मैटी निर्वाण दिवस के अवसर अपने विचार देते डा0 प्रमोद सिंह

कानपुर में मैटी निर्वाण दिवस कार्यक्रम में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद

माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्स्टीट्यूट लखीमपुर के प्राचार्य डा0 आर0 के0 शर्मा द्वारा मैटी निर्वाण दिवस के अवसर पर मैटी के जीवन पर प्रकाश डालते हुये

मैटी निर्वाण दिवस कार्यक्रम कानपुर के बेगमपुरवा में इकबाल मेडिकल हॉल में अपरांह 2 बजे कोविड–19 के प्रोटोकॉल के साथ आयोजित किया गया जिसमें उपस्थित जनों को मैटी के कार्यों के प्रति जानकारी दी गयी इस अवसर पर यह मांग की गयी कि वर्तमान समय में जब हम कोविड के साथ जीने के लिये तैयार हैं ऐसे समय में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा शास्त्र को भी शासकीय संरक्षण मिलना चाहिये, यह उदगार डा0 इकबाल अन्सारी ने जो इस क्षेत्र के प्रतिष्ठित डाक्टरो में गिने जाते हैं ने कही।

इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान जनों ने डा0 मैटी को भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की।

फिरोज़बाद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर फिरोज़बाद में मैटी को श्रद्धा पुष्प अर्पित करते डा0 एस0 के0 पाल

अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखनऊ के उप प्राचार्य डा0 आसुतोष कपूर मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये। – छाया गज़ट

बुन्देलखण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर, हमीरपुर में मैटी को श्रद्धांजली अर्पित करते हुये सेन्टर प्रमुख डॉ0 नरेन्द्र निगम, डा0 गणेश सिंह व अन्य।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदेश प्राप्त, इहमाई द्वारा अनुमोदित)

8–लाल बाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001
प्रशा0 कार्यालय : 127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
www.behm.org.in
Email: registrarbehmup@gmail.com

Offered Courses

Name of the Course	Abbreviation	Eligibility	Duration
Fellow of Medicine in Electro Homoeopathy	F.M.E.H.	10+2 (Any Stream) or Equivalent	Two Years (4 Semester)
Advance Certificate in Electro Homoeopathy	A.C.E.H.	Registered Practitioner Any Branch or Equivalent	1 Semester
Graduate in Electro Homoeopathic System	G.E.H.S.	10+2 (Bio Group) or Equivalent	4 Years Plus (1 Year Internship)
Post Graduate in Electro Homoeopathy	P.G.E.H.	Graduate in any Medical Stream or Equivalent	2 Years

F.M.E.H. व A.C.E.H.पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु निम्न जनपदों में स्टडी सेन्टर्स स्थापनार्थ इच्छुक व्यक्तियों/संस्थाओं से आवेदन

आमंत्रित करता है

प्रयागराज, कौशाम्बी, बांदा, चित्रकूट, झाँसी, ललितपुर, आगरा, मथुरा, मैनपुरी, एटा, कासगंज, हाथरस, मेरठ, बागपत, बुलन्द शहर, सहारनपुर, शामली, मुज़फ्फर नगर, रामपुर, बिजनौर, अमरोहा, सम्भल, बरेली, बदायूँ, मुरादाबाद, पीलीभीत, हरदोई, सीतापुर, फैज़बाद, सुलतानपुर, श्रावस्ती, बस्ती, गोरखपुर, खलीलाबाद, ग़ाज़ीपुर, बलिया, वाराणासी, चन्दौली, भदोही, औरैया फर्रुखाबाद एवं कन्नौज।

आवेदन पत्र एवं निर्देश बोर्ड की वेबसाइट www.behm.org.in (link Affiliation) से डाउनलोड कर सकते हैं।

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।

कानपुर में मैटी निर्वाण समारोह के अवसर पर मंच से सम्बोधित करते हुये डा0 एम0 एच0 इदरीसी चेयरमैन– B.E.H.M.,U.P.– छाया गज़ट